सोसलिस्ट पार्टी ऑफ़ ग्रेट ब्रिटेन

यह घोषणा 1904 में पार्टी के गठन के समय हमारे संगठन का मूल आधार तथा एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक दस्तावेज है। इसका मूल भाषा को बरकरार रखा गया है।

उद्देश्य

समग्र समाज के हितार्थ संपत्ति का सार्वजनिक मालिकाना तथा धन उत्पादन एवं वितरण के लोकतांत्रिक नियत्रण पर आधारित समाजतंत्र की स्थापना करना।

नीतियों की घोषणा

सोसलिस्ट पार्टी ऑफ़ ग्रेट ब्रिटेन का मानना है कि –

१) समाज का वर्तमान गठन का आधार है पूंजीपति वर्गो का उत्पादन के सभी साधनों (जैसे कि ज़मीन, कारखाने, रेल व्यवस्था इत्यादि) पर एकाधिकार, जिसकें परिणाम स्वरूप श्रमिक वर्ग को जीवन यापन के लिए पूंजीपतियों के अधीन रहकर काम करना पड़ता है। मजदूर अपने श्रम से पूंजीपतियों के लिए संपत्ति उत्पन्न करता है।

२) इस कारण समाज में वे जो उत्पादन करते है किंतु अधिकार नहीं रखते है, तथा वे जो उत्पादन नहीं करते हैं किन्तु अधिकार करते हैं के रूप में दो वर्ग बन गए है जिनके बीच वर्ग भेद आधारित शत्रुता की स्थिति है जो वर्ग संघर्ष का रूप धारण कर चुकी है।

३) इस शत्रुता का उन्मूलन तभी हो सकता है जब श्रमिक वर्ग का मालिकों के चंगुल से मुक्ति हो तथा उत्पादन एवं वितरण के माध्यमों का सार्वजनिक मालिकाना के तहत क्रियांन्वन एवं सर्वसाधारण के द्वारा लोकतांत्रिक नियंत्रण हो।

४) सामाजिक क्रमविकास में श्रमिक वर्ग अपनी स्वाधीनता प्राप्त करने वाला अंतिम वर्ग है। श्रमिक वर्ग की मुक्ति के साथ ही संपूर्ण मानवजाति की मुक्ति होगी तथा जाति-भेद एवं लिंग-भेद निर्मूल सिद्ध हो जाएंगे।

५) निश्चय ही श्रमिक वर्ग की मुक्ति उसके प्रयास के द्वारा ही संभव है।

६) सरकारी मशीनरी, जिनमें नौकर शाही एवं राष्ट्रो की सैन्य शक्तियों भी शामिल है, अपने अस्तित्व की सार्थकता इस बात में पाती हैं कि वे पूंजीपति वर्ग के उस एकाधिकार एवं विशेषाधिकार को अक्षुण्ण बनाए रखें जिसके तहत यह वर्ग संपत्ति पर अधिकार एवं उसका विस्तार करता है। राजनैतिक रूप से सचेत एवं संगठित होकर श्रमिक वर्ग को पूंजीवादी सरकार की समस्त शक्तियों को स्थानीय तथा राष्ट्रीय स्तर पर प्राप्त कर शोषण के उपकरण के रूप में कार्यरत इस मशीनरी को मुक्ति का कारक बनाना होगा। प्राधिकार अभिजात एवं धनाढ़यता को प्रशस्त करने वाली व्यवस्था को निर्मूल कर देना होगा।

७) सभी राजनैतिक दल पूंजीपति वर्ग के स्वार्थ की अभिव्यक्तियां हैं, इसलिए श्रमिक वर्ग का सभी तरह के मालिक वर्ग के स्वार्थों से पूरी तरह शत्रुतापूर्ण है। श्रमिक वर्ग की मुक्ति के लिए प्रयासरत पार्टी को शेष सभी पार्टियों का जबरदस्त विरोध करना पड़ेगा।

८) **सोसलिस्ट पार्टी ऑफ़ ग्रेट ब्रिटेन** इसी उद्देश्य से राजनैतिक संग्राम के मैदान में प्रवेश करने का दृढ़ निश्चय करके सभी राजनैतिक पार्टियों – तथाकथित श्रमिक पार्टियां अथवा निर्विवाद रूप से पूंजीवादी पार्टियां – के विरुद्ध श्रमिक वर्ग को अपने झण्डे के नीचे खड़े होने का आह्वाहन करती है। दु:ख दारिद्र के स्थान पर संपन्नता, विशेषाधिकार के स्थान पर समता, दासत्व के स्थान पर मुक्ति, श्रमिकों को उनके श्रम का फल जैसे लक्ष्यों को द्रुत गति से पाने के लिए पूंजीवादी व्यवस्था के विरुद्ध संघर्ष करना होगा।